



// PAGE 2

कोरोना से दस साल की बच्ची की मौत

पटना। राज्य में बीते 24 घंटे में कोरोना के सात मरीज मिले हैं। ताजा मामला सासाराम का है, जहां कोरोना पॉजिटिव 10 साल की बच्ची की मौत हो गयी।

// PAGE

नव- निर्वाचित पंसस को किया सम्मानित

लोजपा (आर) महिला प्रकोष्ठ की प्रखण्ड अध्यक्ष निक्की देवी ने रविवार को डेकहाँ की नवनिर्वाचित पंसस अनुपमा देवी को सम्मानित किया।

// PAGE

मुख्यमंत्री ने शिवानंद तिवारी का कुशलक्षेम जाना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी का कुशलक्षेम जानने पारस अस्पताल पहुंचे।



ईयर एंडर-2023 बिहार : जातीय गणना और आरक्षण का दायर बढ़ाने सहित कई फैसलों ने बटोरी सुर्खियां

पटना

पटना। वर्ष 2023 कई मायनों में बिहार के लिए खास रहा। नीतीश सरकार के कई बड़े राजनीति फैसलों ने सबको चौंका दिया। इनमें जाति आधारित गणना और आरक्षण का दायरा बढ़ाने के फैसलों ने पूरे देश सहित विश्व का ध्यान खींचा। नीतीश सरकार ने कई मुश्किलों के बावजूद जातीय गणना कर देश में एक बड़ा संदेश दिया। बिहार के कास्ट सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार की कुल जनसंख्या 13 करोड़ से अधिक है। इनमें 81.99 प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की जबकि 17.70 आबादी मुसलमानों की है। हिन्दुओं में सबसे ज्यादा संख्या अत्यंत पिछड़ा वर्ग की है, जो कि 36 प्रतिशत है। इसके अलावा 27 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग, 19 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति और 1.68 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या है। प्रदेश में सवर्णों की आबादी की बात करें तो यह 15.52 प्रतिशत है। जातीय गणना का सर्वे आने के बाद नीतीश सरकार ने आरक्षण का कोटा 75 प्रतिशत तक बढ़ा दिया।

साल के आखिर में नीतीश खुद बने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष:

बिहार की राजनीति में सबसे बड़ा बदलाव साल के आखिर में देखने को तब मिला जब नीतीश कुमार ने सभी को चौंकाते हुए खुद जदयू की कमान संभाल ली। पार्टी के सबसे बड़े नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद पार्टी के अध्यक्ष बन गए। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले हुए इस बदलाव को

नीतीश कुमार का बड़ा कदम माना गया। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने 29 दिसम्बर को जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया।

आईएनटीआईए गठबंधन की नींव:

राजग से अलग होने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता की नींव रखी। इसके लिए उन्होंने पूरे देशभर में घूमकर सभी विपक्षी नेताओं से मिलकर एक मंच पर आने के लिए कहा। उन्होंने विपक्षी नेताओं से गुहार लगाते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी को हराना है तो सभी को एक होना होगा। उन्होंने इसके लिए पटना में ही सबसे पहली बैठक बुलाई।

नीतीश कुमार का विवादित बयान:

नीतीश कुमार ने विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण पर विवादित बयान देकर पूरे देश का सियासी पारा बढ़ा दिया। उन्होंने जिस तरीके से जनसंख्या नियंत्रण पर सदन में अपनी बात रखी उसका महिला विधायकों ने खूब विरोध किया। इसके लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आकर माफी भी मांगनी पड़ी।

बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई:

बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह को 27 अप्रैल को रिहा कर दिया गया। उन्हें 16 साल बाद जेल से रिहा किया

गया। आनंद मोहन गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में उग्रकेद की सजा काट रहे थे। आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार सरकार की तीखी आलोचना भी हुई।

हिन्दू त्योहारों पर सांप्रदायिक दंगे:

इस साल बिहार एक बार फिर हिन्दू त्योहारों पर सांप्रदायिक हिंसा की आग में झुलसा। रामनवमी हो या हनुमान जयंती, बिहार के कई जिलों में सांप्रदायिक दंगे हुए। इस मामले पर राजनीति भी जमकर हुई। इसे हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर राजनीतिक पार्टियों ने लोगों को उकसाने का काम किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि लालू यादव की पार्टी के सत्ता में आते ही बिहार में जंगलराज की वापसी हो गई है जबकि महागठबंधन के नेताओं ने इस हिंसा के लिए भाजपा को दोषी ठहराया।

रामचरित मानस पर विवाद:

इस साल बिहार के शिक्षामंत्री चंद्रशेखर ने रामचरितमानस पर विवादित बयान देकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनके द्वारा रामचरित मानस पर दिए बयान ने पूरे देश की सियासत को गरमा दी। उन्होंने रामचरितमानस की तुलना पोर्टेथियम साइनाइड से की थी। उन्होंने रामचरितमानस को समाज को बांटने वाला बता चुके हैं।



मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी

पटना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साल के आखिरी दिन शाम को प्रदेश एवं देशवासियों को नये वर्ष 2024 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की है कि वर्ष 2024 समस्त बिहारवासियों एवं देशवासियों के लिए सुख-शान्ति, सद्भाव, समृद्धि एवं अंततः सफलताओं का वर्ष होगा। सीएम ने बिहार के गौरव को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ प्रदेश की विकास यात्रा में सहयात्री बनने का आह्वान करते हुये विश्वास व्यक्त किया है कि आने वाले वर्ष में बिहार देश ही नहीं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकेगा। उन्होंने न्याय के साथ बिहार के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुये विश्वास व्यक्त किया कि सबके सम्मिलित प्रयास से सुखी, समृद्ध एवं गौरवशाली बिहार का निर्माण होगा।

ब्रावो फाउंडेशन एवं ब्रावो फार्मा

मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण (बिहार)



ईयर एंडर-2023 : जातीय गणना और आरक्षण बढ़ाने सहित कई फैसलों ने बटोरी सुर्खियां



बीएनएम@पटना

पटना (बिहार) वर्ष 2023 कई मायनों में बिहार के लिए खास रहा। नीतीश सरकार के कई बड़े राजनीति फैसलों ने सबको चौंका दिया। इनमें जाति आधारित गणना और आरक्षण का दायरा बढ़ाने के फैसलों ने पूरे देश सहित विश्व का ध्यान खींचा। नीतीश सरकार ने कई मुश्किलों के बावजूद जातीय गणना कर देश में एक बड़ा संदेश दिया। बिहार के कास्ट सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार की कुल जनसंख्या 13 करोड़ से अधिक है। इनमें 81.99 प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की जबकि 17.70 आबादी मुसलमानों

की है। हिन्दुओं में सबसे ज्यादा संख्या अत्यंत पिछड़ा वर्ग की है, जो कि 36 प्रतिशत है। इसके अलावा 27 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग, 19 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति और 1.68 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या है। प्रदेश में सवर्णों की आबादी की बात करें तो यह 15.52 प्रतिशत है। जातीय गणना का सर्वे आने के बाद नीतीश सरकार ने आरक्षण का कोटा 75 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। बिहार की राजनीति में सबसे बड़ा बदलाव साल के आखिर में देखने को तब मिला जब नीतीश कुमार ने सभी को चौंकाते हुए खुद जदयू की कमान संभाल ली। पार्टी के सबसे बड़े नेता

और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद पार्टी के अध्यक्ष बन गए। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले हुए इस बदलाव को नीतीश कुमार का बड़ा कदम माना गया। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने 29 दिसम्बर को जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। राजग से अलग होने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता की नींव रखी। इसके लिए उन्होंने पूरे देशभर में घूमकर सभी विपक्षी नेताओं से मिलकर एक मंच पर आने के लिए कहा।

उन्होंने विपक्षी नेताओं से गुहार लगाते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी को हराना है तो सभी को एक होना होगा। उन्होंने इसके लिए पटना में ही सबसे पहली बैठक बुलाई। नीतीश कुमार ने विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण पर विवादित बयान देकर पूरे देश का सियासी पारा बढ़ा दिया। उन्होंने जिस तरीके से जनसंख्या नियंत्रण पर सदन में अपनी बात रखी उसका महिला विधायकों ने खूब विरोध किया। इसके लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आकर माफी भी मांगनी पड़ी।

NEWS IN BRIEF

कोरोना से दस साल की बच्ची की मौत

पटना। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में कोरोना के सात मरीज मिले हैं। इनमें पटना और गया में तीन-तीन जबकि दरभंगा में एक मरीज है। ताजा मामला सासाराम का है, जहां कोरोना पॉजिटिव 10 साल की बच्ची की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गयी। सासाराम सिविल सर्जन डॉ. केएन तिवारी ने इसकी पुष्टि की है। डॉक्टर के अनुसार बच्ची फेफड़े की गंभीर इंफेक्शन से ग्रसित थी। उन्होंने बताया है कि नोखा के लिलारी की रहने वाली 10 वर्षीय साधना कुमारी की मौत हुई है। वह हरद्वे गिरी की पुत्री थी। डेहरी के जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बच्ची का इलाज चल रहा था, जहां उसकी मौत हुई है। बच्ची में कोरोना का कौन सा वेरिएंट है। इसकी जानकारी के लिए तमाम रिपोर्ट को जांच के लिए पटना भेजा गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि परिजनों के अनुसार, बच्ची एक रिश्तेदार के यहां किसी कार्यक्रम में गया के शेरघाटी गई हुई थी। कार्यक्रम में गया और आसनसोल समेत अन्य शहरों के लोग भी शामिल हुए थे, जहां उसकी तबीयत खराब होने लगी।

मुख्यमंत्री ने शिवानंद तिवारी का

कुशलक्षेम जाना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी का कुशलक्षेम जानने पारस अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पारस अस्पताल में इलाजरत तिवारी से उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सा कर रहे चिकित्सकों से तिवारी के इलाज के बारे में अद्यतन जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शिवानंद तिवारी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी उपस्थित थे।

मद्य निषेध विभाग ने विशेष छापेमारी, 41 लोग गिरफ्तार

बीएनएम@सहरसा/मधेपुरा

सहरसा/मधेपुरा। मद्य निषेध विभाग द्वारा नये साल के आगमन को लेकर विशेष छापेमारी अभियान लगाता जारी है। ऐसे में विभाग ने इस छापेमारी अभियान के तहत नशे के कारोबारियों का बड़ा खुलासा किया है। इस बाबत मद्यनिषेध अधीक्षक सुरेंद्र प्रसाद ने रविवार को बताया कि नये साल के आगमन को लेकर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के विभिन्न चौक - चौराहे पर नशे के कारोबारियों

पर नकेल कसने के लिए लगातार विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच बिहारीगंज थाना क्षेत्र के हथिऔंधा रेलवे डाला के समीप से एक हीरो होण्डा स्पलेण्डर प्लस मोटर साईकिल नंबर बीआर 10एच 8456 के ड्रिक्की से 10 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद कर धमेन्द्र कुमार व विलास ऋषिदेव को गिरफ्तार कर एवं वाहन मालिक के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

बीएनएम@पटना

पटना। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत मौके पर ही हो गयी जबकि एक ही हालत गंभीर बतायी जा रही है। मरने वालों में दो स्कूली छात्राएं हैं। बताया जा रहा है कि धान लेकर जा रहे ट्रक ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें तीनों की मौत हो गई। मृतकों आयर थाना के इसाढ़ी वार्ड नंबर 11 निवासी 22 वर्षीय मनीष शर्मा, 16 वर्षीय आंचल कुमारी और शाहपुर थाना के नावाडीह गांव निवासी आठ वर्षीय पुत्री प्रिया कुमारी हैं मृतक मनीष के चाचा की तबीयत खराब थी और उन्हें आरा शहर के घरहरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनीष पिता को पहुंचाने अस्पताल गया था। इसके बाद वह भतीजी आंचल कुमारी

एवं ममेरी बहन प्रिया कुमारी को साथ लेकर बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान हरीगांव के समीप ब्रेक लगाने से तीनों बाइक से गिर पड़े। इस बीच पीछे से आ रहे अनियंत्रित धान लदे ट्रक ने सभी को कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।



नीतीश को सुमो की सलाह, राष्ट्रीय राजनीति करनी है तो सीएम पद छोड़ दें

बीएनएम@पटना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सलाह देते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने रविवार को कहा कि नीतीश कुमार ने जब जदयू अध्यक्ष का पद स्वीकार कर राष्ट्रीय राजनीति में जाने का निश्चय पक्का कर लिया है तब पूरी ताकत से वही काम करें और बिहार के मुख्यमंत्री का पद किसी अन्य को सौंप दें। सुशील मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य

संबंधी कारणों से जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के एक पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं और परिणाम स्वरूप राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर होती जा रही है। पुलिस पर हमले हो रहे हैं। शासन पर बालू-शराब माफिया हावी हैं और विकास ठप है। ऐसे में वे एक साथ दो बड़े पदों का दायित्व कैसे निभायेंगे? उन्होंने कहा कि यदि वे दोनों पदों पर बने रहते हैं तो उनके देशव्यापी दौर से भाजपा को तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन बिहार की शासन व्यवस्था और

चौपट होगी। नीतीश कुमार मात्र 44 विधायकों की तीसरे नंबर की एक क्षेत्रीय पार्टी के नेता हैं। बिहार के बाहर न उनका कोई प्रभाव है न दूसरे राज्य में जदयू का कोई सांसद-विधायक है। उन्होंने कहा कि बिहार से सटे यूपी के बनारस में तो नीतीश कुमार को रेली स्थगित करनी पड़ी। क्योंकि, भीड़ नहीं जुटने का अंदेश था। झारखंड और हरियाणा में इनको सुनने कौन आएगा? वहां भी शो रूढ़ करना पड़ सकता है।

चलने लगी शीतलहर, बड़ी ठिठुरन



बीएनएम@पटना

पटना। वर्ष 2023 के दिसम्बर माह के अंतिम दिनों में बिहार में भीषण ठंड पड़ रही है। पिछले तीन दिनों से धूप के दर्शन नहीं हुए हैं। राज्य के हर जिले में कोहरा छाया हुआ है और इसके साथ चल रही ठंडी हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। कोहर के साथ शीतलहर की वजह से दिसम्बर माह के अंतिम दिन 31 दिसम्बर को सबसे ज्यादा ठंड लोग महसूस कर रहे हैं। राजधानी पटना सहित राज्य के 10 जिलों में सुबह शीतलहरी का प्रकोप देखने को मिला।

हालांकि, दिन में सूरज न निकलने की वजह से राज्य के अधिकतम तापमान में भी भारी गिरावट आ सकती है। पटना सहित कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। रविवार को दिन में भी कोहरा छाया रहेगा, जिससे ठंड में इजाफा हो सकता है। तीन वर्षों में तापमान में वृद्धि दिसंबर में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आशीष कुमार के अनुसार आज राज्य के दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-मध्य भागों के एक या दो स्थानों में बहुत घना कोहरा छाया हुआ है। इसके साथ उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य एवं दक्षिण-पूर्व भागों के कुछ स्थानों में घना कोहरा छाया हुआ है। उत्तर-पूर्व भाग के अधिकांश स्थानों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार तीन वर्षों बाद दिसम्बर में अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है। 25 दिसम्बर को राजधानी का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, 2020 में राजधानी का अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री, 2021 में 22.6 डिग्री एवं 2022 में 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

2024

JANUARY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

FEBRUARY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

MARCH

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

APRIL

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

MAY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

JUNE

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

JULY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

AUGUST

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

SEPTEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

OCTOBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

NOVEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

DECEMBER

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

शराब कारोबारियों को भगाने के लिए खड़ी महिलाएं



बीएनएम@तुरकौलिया/पताही

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर 11 कवलपुर डीह गांव में पुलिस के संरक्षण में शराब कारोबार फल-फूल रहा है। शराब बंदी के बाद भी जोर-शोर से शराब बेचा जा रहा है। इस मामले को लेकर करीब 5-6 दर्जन महिलाओं ने थाना में आवेदन देकर बताया है कि बड़े पैमाने पर कवलपुर डीह पर दारु बना कर बेचा जा रहा है। आवेदन देकर शराबबंदी के विरोध करने में घरेलू महिलाओं के अलावे जीविका दीदी भी शामिल हैं। इन लोगों का कहना है शराब पीकर गांव का युवक बिगड़ रहे हैं। शराब पीकर जुआ खेलना और मारपीट करना इनका

आदत बन गया है। इतना ही नहीं जो शादीशुदा हैं वे लोग शराब पीकर बिना मतलब पत्नी को पीटते रहते हैं। कुछ महिलाओं ने बताया कि शराब पीने से उसकी पति की मौत हो चुकी है। शराब के कारण वह विधवा हो चुकी है। बच्चों का भरण पोषण करने में काफी दिक्कत आ रही है। शराब के कारण ही मांग का सिंदूर उजड़ रहा है। महिलाओं का कहना था कि वह लोग अपने दरवाजे पर लाठी और झाड़ू लेकर तैनात रहती हैं। ताकि कोई शराब बेचने वाला और शराब पीने वाला इस गांव में नही आए। पहरा देने के दौरान इस तरह का कुछ लोग आ जाते हैं तो महिलाएं उनकी धुनाई भी कर देती हैं। यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। महिलाओं का यह भी कहना था कि 112 नंबर

की पुलिस गाड़ी हो या थाना को शिकायत किया जाता है तो पुलिस आती जरूर है। लेकिन पकड़ने के बाद पैसा लेकर छोड़ देती है। महिलाएं खुलेआम पुलिस पर लेन-देन का आरोप लगा रही है। महिलाओं का कहना है कि शराब कारोबार में पुलिस की भी हाथ है। **पुलिस ने मारपीट मामले के फरार तीन आरोपी एवं एक शराब कारोबारी को किया गिरफ्तार** पताही। पताही थाना क्षेत्र के भकुरहिया गांव में पुलिस ने छापेमारी कर मार पीट मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, साथ ही मोटरसाइकिल पर लदे 80 बोतल नेपाली सोफिया शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है, थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने बताया कि

पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि को भकुरहिया गांव में छापेमारी कर मारपीट कांड संख्या 105/22 के फरार तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार आरोपी उक्त गांव के नरेंद्र साह, नागेंद्र साह, सोनेलाल साह को गिरफ्तार किया है, साथ ही पुलिस ने बाइक पर लदे 80 बोतल नेपाली शराब के साथ शिवहर जिले के नया गांव के शराब कारोबारी रामेश्वर यादव को गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार चारों को पुलिस ने पूछ ताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, छापेमारी में थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, दरोगा संजय चौधरी एवं पुलिस बल शामिल थे।

NEWS IN BRIEF

सेवानिवृत्त सीओ को दी गई विदाई

केसरिया। बीबीएस उत्सव पैलेस के सभागार में रविवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें केसरिया के अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार सिन्हा के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह के मुख्य अतिथि अपर समाहर्ता पवन कुमार सिन्हा ने कहा कि सेवानिवृत्त होना सरकारी सेवा का अंतिम व भावुक क्षण होता है। सरकारी कार्यकाल के दौरान किये गये कार्यों को हमेशा याद किया जाता है। सेवानिवृत्त सीओ श्री सिन्हा अपने कार्यकाल के दौरान बेहतर कार्य किये हैं, जो नये अधिकारियों के लिए नजीर है। वहीं सेवानिवृत्त सीओ श्री सिन्हा ने कार्यालय कर्मियों, वरिय अधिकारियों व क्षेत्रवासियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि कार्यकाल के दौरान बेहतर सहयोग मिला। जिसको हमेशा याद रखेंगे। विदित हो कि श्री सिन्हा का हाल ही में एडीएम (भू-हदबंदी) पद पर पदोन्नति हुआ था। विदाई समारोह का संचालन बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रभारी सीओ विजय कुमार राय, सहित अन्य मौजूद थे।

नव- निर्वाचित पंसस को किया सम्मानित

केसरिया। लोजपा (आर) महिला प्रकोष्ठ की प्रखण्ड अध्यक्ष निककी देवी ने रविवार को टेकहाँ की नवनिर्वाचित पंसस अनुपमा देवी को सम्मानित किया। इस दौरान नवनिर्वाचित पंसस अनुपमा देवी ने कहा कि अपने पति दिवंगत पंसस विपुल कुमार सिंह के अधुरे कार्यों को पूरा करेगी। वहीं प्रखण्ड अध्यक्ष निककी देवी ने कहा कि नवनिर्वाचित पंसस के प्रयास से टेकहाँ पंचायत का तेजी से विकास होगा। लोगों को विश्वास है कि जिस विश्वास से जिम्मेदारी दी है उस पर वे खरा उतरेगी।

शीतलहर के साथ आगाज नववर्ष का चारों ओर जयश्री राम का जयघोष

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। चंपारणवासियों को शानदार, जानदार, खूबसूरत, समृद्धिशाली, उन्नतिशील, स्वास्थ्यवर्द्धक, गौरवमयी, खुशहाल, उज्ज्वल, उत्साहवर्धक और अंतहीन खुशियों से भरा नववर्ष 2024 का मुबारकवाद। शीतलहर के साथ आगाज हो रहे नववर्ष 2024 में जहां सनातन वैभव के साथ चारों ओर जयश्री राम का जयघोष सुनाई दे रहा है वहीं दूसरी ओर पर्यटकों के गंतव्य स्थल

वाल्मीकि नगर, विराटनगर, लुंबिनी, पोखरा, काठमांडू इत्यादि जगहों पर नो रूम की घोषणा हो चुकी है। हिन्दू धर्म में नववर्ष का आरंभ चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है, हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी इसलिए इस दिन से नए साल का आरंभ भी होता है तथापि पाश्चात्यकरण के प्रभाव में आकर अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से यहां के लोग 31 दिसंबर की अर्धरात्रि से ही हेप्पी न्यू ईयर के उमंग में डूबे जा रहे हैं।

कानू अधिकार सह- सम्मान समारोह होगा ऐतिहासिक: भोला गुप्ता

बीएनएम@केसरिया

केसरिया। 7 जनवरी को आयोजित होने वाले कानू अधिकार सह- सम्मान समारोह की सफलता को लिए जिला मुख्यालय मोतिहारी से चला आमंत्रण रथ का हुसेनी, बेनीपुर, केसरिया व राजपुर में शनिवार की संध्या जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान आयोजित नुककड सभा को संबोधित करते हुए आयोजन समिति के संयोजक रमेश प्रसाद उर्फ भोला ने कहा कि अपने हक के लिए समाज को एकजुट होना होगा। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में समाज के सभी लोगों का सहयोग चाहिए। वहीं आयोजन समिति के अध्यक्ष शम्भु प्रसाद ने समाज के लोगों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। इस मौके पर पूर्व जिला पार्षद मोखार गुप्ता,

सुभाष गुप्ता, मुखिया अशोक कुमार गुप्ता, सरपंच संघ के अध्यक्ष साधुलाल साह, सरपंच विनोद कुमार, पूर्व मुखिया हरेंद्र साह, श्यामबाबू प्रसाद, भाजपा मंडल महामंत्री मुन्ना साह, कुन्दन कुमार, महेश प्रसाद, लोजपा (आर) प्रखण्ड अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, समेत अन्य उपस्थित थे।



सेवानिवृत्ति प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को दी गई विदाई

बीएनएम@रामगढ़वा

रामगढ़वा। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सत्यनारायण साहू सेवानिवृत्त हुईं और विभागीय निर्देशानुसार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामाधार पांडे को प्रखंड का प्रभार प्राप्त किए। इस दौरान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सत्यनारायण साहू का विदाई सह सम्मान समारोह प्रखंड संसाधन केंद्र में आयोजित किया गया। मंच का संचालन शिक्षक कमलेश कुमार ने किया विदाई समारोह

की मुख्य अतिथि बीडीओ मो सज्जाद ने कहा की प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के रूप में इनका कार्यकाल का भी सराहनीय रहा इन्होंने शिक्षक और कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर कुशलता के साथ कार्य किया है। वहीं सियों मणि भूषण कुमार ने बताया कि शिक्षा पदाधिकारी की कार्य कुशलता की सरहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वास्थ्य की कामना की प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार सिंह ने कहा की आज एक अच्छे अधिकारी

विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे हैं उनके सेवाकाल को हमेशा याद किया जाएगा। इसके पूर्व सेवानिवृत्त सत्यनारायण साहू को शिक्षक एवं कर्मियों ने चादर, माला, बुके देकर सम्मानित किया। विदाई सह सम्मान समारोह में स्वागत गीत रेशमा देवी कन्या विद्यालय के छात्राएं एवं विदाई गीत गाकर पूरे माहौल को गमगीन कर दिया। समारोह मे उपस्थित उमेश नारायण सिंह, सुधीर सिंह, ममता कुमारी सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित हूए थे।

प्रो० अनिल बने वनस्पति विज्ञान का विभागाध्यक्ष



बीएनएम@रक्सौल

विश्वविद्यालय के क्षेत्र में यह सबसे बड़ा उच्च पद है जो प्रो० सिन्हा को प्राप्त हुआ है। प्रो० सिन्हा पैंतीस वर्षों तक के सी टी सी कालेज, रक्सौल में प्राध्यापक रहे हैं।

रक्सौल। रक्सौल निवासी प्रो० (डा०) अनिल कुमार सिन्हा को एक और उपलब्धि प्राप्त हुई है और उन्हें बी आर ए बिहार विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान का विभागाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बिहार विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो० शैलेंद्र चतुर्वेदी के आदेश से विश्वविद्यालय ने अपने पत्रांक बी/2795 दिनांक 23 दिसंबर 2023 के द्वारा वनस्पति विज्ञान विभाग का अध्यक्ष के रूप में अधिसूचित किया है। प्रो० सिन्हा वर्तमान में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य हैं जो पूरे बिहार के विश्वविद्यालयों में प्रिंसिपल और प्रोफेसर की नियुक्ति करता है। उनके मनोनयन पर पूरे रक्सौल सहित सीमांचल में हर्ष व्याप्त हो गया है। प्रो० चंद्रमा सिंह, प्रो० रामाशंकर प्रसाद, डा० जगदीश प्रसाद गुप्ता, प्रो० हरिंद्र हिमकर, डा० प्रदीप श्रीवास्तव, प्रो० किरण बाला, प्रो० पंकज कुमार श्रीवास्तव, डा० राजकिशोर सिंह, प्रो० विजय कुमार पांडेय, प्रो० उमाशंकर मिश्र, प्राचार्य डा० जयनारायण प्रसाद, प्रो० वाजुल हक, प्रो० बदरे आलम, प्रो० मनीष दुबे आदि शिक्षाविद् सहित सामाजिक क्षेत्र के ई० जितेंद्र कुमार, गुड्डू सिंह, राजकिशोर राय भगत, स्वच्छता के सिपाही सुरेश कुमार, राकेश कुशवाहा, संतोष छात्रवंशी आदि ने इस मनोनयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि रक्सौल का मान सम्मान बढ़ा है। विश्वविद्यालय के क्षेत्र में यह सबसे बड़ा उच्च पद है जो प्रो० सिन्हा को प्राप्त हुआ है। प्रो० सिन्हा पैंतीस वर्षों तक के सी टी सी कालेज, रक्सौल में प्राध्यापक रहे हैं। के सी टी सी कालेज से एस एल के कालेज, सीतामढ़ी में प्राचार्य बनाए गए। रक्सौल की बहुत बड़ी उपलब्धि है। जबकि प्रो० सिन्हा ने बी आर ए बिहार विश्वविद्यालय के कुलसचिव को पत्र लिखकर अध्यक्ष के रूप में योगदान देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं पूर्व से ही विश्वविद्यालय से लिव एंड लियन पर हूँ।

Editorial

जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

ऊर्जा मंत्रालय से संबद्ध ऊर्जा दक्षता ब्यूरो हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन करता है। ब्यूरो ने वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है। दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है। विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया।

सरदार पटेल: एकीकृत भारत के निर्माता

योगेश कुमार गोयल



राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था। इस दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप

में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारीयें जुटाई गईं तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Today's Opinion

संसद में फैलाए गए पीले धुएं का काला सच क्या है



डॉ. रमेश
ठाकुर

शीतकालीन सत्र के 10वें दिन भारतीय संसद के अंदर शायद कुछ असामान्य होना तय था। 22 बरस पहले आतंकियों के दिए जख्म प्रत्येक 13 दिसंबर को हरे हो जाते हैं। कल गनीमत ये समझें कि यह घटना 'पीले धुएं' तक सीमित रही। सरकार इस घटना को हल्के में कतई न ले। साजिशकर्ताओं की बुने एक-एक जालों की पहचान की जानी चाहिए। इससे जुड़े हर सवाल का जवाब तलाशना होगा। हमें यह पक्के तौर पर जानना होगा कि उनका मकसद सिर्फ दहशत फैलाना था या कुछ और। चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था में कहां चूक हुई, इसकी सख्त समीक्षा की जरूरत है। बहरहाल, हाल ही में बनकर तैयार हुई संसद अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस बतायी जाती है। लेकिन बुधवार को जिस अंदाज में घटना हुई, उससे साफ है कि साजिश के तार बहुत लंबे थे। इस साजिश के आरोपी सामान्य हैं या असामान्य प्रवृत्ति के, ये तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा। पर, लोग अंधेरा ऐसा भी लगा रहे हैं कि कहीं 22 साल पहले 13 दिसंबर को जो घटना संसद में घटी थी ये उसकी पुनरावृत्ति तो नहीं? या फिर उसके पार्ट-2 की चेतावनी है। इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी हो, ये बिना देर किए सुनिश्चित हो। एक थ्योरी ये समझ में नहीं आती, आखिर शीतकालीन सत्र को चले कई दिन हो चुके हैं। पर, हरकत संसद हमले की बरसी के दिन ही क्यों होती है। आखिर किसके इशारे पर

इस घटना को अंजाम दिया गया। आरोपियों का हमले की बरसी के दिन 'संसद अटैक-2' का संदेश देना निश्चित रूप से बैचन करता है। दुश्मन अंदरूनी है या बाहरी, उसे खींचकर बाहर निकालना होगा। प्रतीत ऐसा होता है कि आरोपी सिर्फ मोहरा मात्र हैं। मास्टर माइंड कोई और है। जब से नई संसद में सत्र और संसदीय कार्य शुरू हुए हैं, संसद सदस्य अपनी सुरक्षा के प्रति निश्चित और बेखबर हैं। क्योंकि संसद की सुरक्षा, मानकों के लिहाज से अत्याधुनिक बताई जाती है। संसद के चप्पे-चप्पे पर पहरा है। इंसानी सुरक्षा तंत्र से अगर कोई चूक भी हो जाए, तो पूरी बिल्डिंग तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों से लैस है। कोई संदिग्ध क्या, परिंदा भी पर नहीं मार सकता। पर, सुरक्षा के इन तमाम दावों पर संसद सदस्यों को एतबार नहीं रहा। क्योंकि उन सभी को घटा बताते हुए आरोपित विजिटर बनकर आसानी से भीतर घुस गए और अपने मंसूबों को अंजाम दे दिया। गनीमत ये समझें कि घटना के दौरान आरोपितों के हाथ में सिर्फ 'स्मोक बम' ही थे, अगर असलहा वगैरा होता तो वो इस्तेमाल भी कर सकते थे। क्योंकि जब वो सुरक्षा तंत्र की आंखों में धूल झोंक कर आपत्तिजनक वस्तुएं अंदर ले जा सकते हैं तो बंदूक-बारूद क्यों नहीं? इसलिए घटना को सबसे पहले सुरक्षा चूक ही कहेंगे। जबरदस्त सुरक्षा पहरे को चकमा देकर 'स्मोक बम' फेंक कर संसद के भीतर आरोपित अफरातफरी मचा देते

हैं। बाकायदा विजिटर बनकर संसद की कार्यवाही देखने पहुंचे हैं। दर्शक दीर्घा में करीब चार-पांच घंटे बिताते हैं और लंच से पहले अचानक छलांग लगाकर सांसदों की कुर्सियों तक जाते हैं। पीले रंग का 'स्मोक बम' फोड़ देते हैं। नारेबाजी करते हैं। ये पूरा वाक्या तकरीबन चालीस से पैंतालीस मिनट तला। सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने से पहले दो सांसद हनुमान बेनीवाल और मलूक नागर हिम्मत दिखा कर उन्हें दबोचते हैं और उन्हें सुरक्षा कर्मियों के हवाले करते हैं। शुरुआती पूछताछ में एक आरोपित ने अपना नाम सागर सरना बताया है और मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिन्हा की सिफारिश पर कार्यवाही देखने पहुंचे। वो झूठ बोल रहा है या सच? ये जानने के लिए उसका नाकॉ, पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। अगर कोई गहरी साजिश है भी, जिसे कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी भी बताते हैं, पता लगाने की दरकार है। संसद में सुबह तक सबकुछ नॉर्मल था। 22 वर्ष पूर्व हुए हमले की बरसी थी, जिस पर सभी सांसदों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उसके बाद रोजाना की भांति सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने जाते हैं। किसी को थोड़ा भी अंधेरा नहीं था कि नई संसद में भी कोई ऐसी हरकत कर सकता है। संसद सदस्य आश्वस्त थे कि नई संसद सुरक्षा मानकों के हिसाब से अभेद्य है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।



कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

लगातार

बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिलाकर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की



देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी

से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हरे पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हो। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

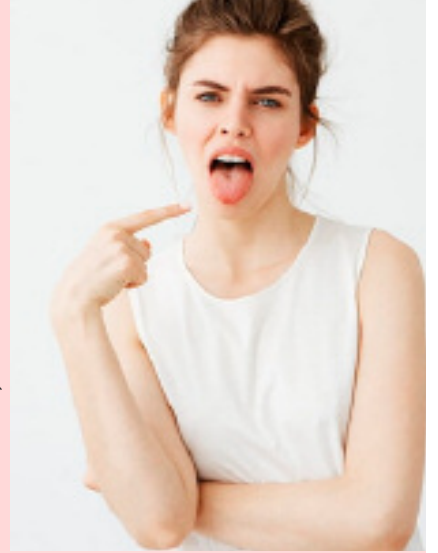
अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।



जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें। इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।



प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीजों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें। उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

है बेदाग स्किन की चाहत? तो आपकी परेशानी का हल है यह एक जूस



साफ और बेदाग त्वचा कौन नहीं चाहता, लेकिन इसे पाने का सबसे अच्छा ज़रिया नैचुरल उपाय है। त्वचा को हेल्दी बनाने के लिए ज़रूरी है कि हम खानपान पर ध्यान दें। घर पर भी आप अपनी त्वचा को कई तरीकों से हेल्दी बना सकती हैं। इसके लिए सही खाद्य पदार्थों का चयन अहम है। अगर आप भी लंबे समय से बेदाग त्वचा की ख्वाहिश रख रही हैं, तो हम आपको बता रहे हैं ऐसे जूस के बारे में जो आपका काम आसान कर सकता है।

है। अदरक में भी एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया को मार गिराते हैं। इन सभी चीजों का अगर मिलाकर सवन किया जाए, तो इससे आपको साफ और चमकती त्वचा मिल सकती है। केल एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, कैल्शियम और



घर पर बने ताजा जूस से न सिर्फ आपके शरीर से टॉक्सिन्स निकल जाएंगे, बल्कि आपकी सम्पूर्ण सेहत को भी फायदा पहुंचेगा। जिससे आप उम्र भर स्वस्थ त्वचा पा सकती हैं। हम बता रहे हैं ऐसी जादुई ड्रिंक के बारे में जो ज़रूरी विटामिन्स और पोषक तत्वों से भरी होती है और जो स्किन को बेदाग बनाने का भी काम करती है। इस जूस के लिए आपको चाहिए होगा खीरा, नींबू, अदरक और केल।

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्जी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं। नींबू विटामिन-सी और फाइबर से भरा होता है, जो त्वचा से जुड़ी कई मुश्किलों को दूर करने की शक्ति रखता

विटामिन्स से भरा होता है। एंटीइंफ्लेमेटरी यह सब्जी बैक्टीरिया की ग्रोथ को रोकने का काम करती है। आप चाहें तो केल की जगह पालक का भी उपयोग कर सकती हैं।

ऐसे आसानी से बनाएं ये जूस

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्जी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं।

1. सभी चीजों को पानी से अच्छी तरह धो लें। आप इन्हें कुछ देर पानी के एक कटोरे में डुबोकर भी रख सकते हैं।
2. सबसे पहले मिक्सी में केल डालें, फिर अदरक, नींबू और खीरा डाल दें। अब इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक यह सभी चीजें अच्छी तरह पिस न जाएं। अगर आपको पल्प वाला जूस पसंद है, तो इसे थोड़ा कम पीस दें।
3. इस जूस को किसी एयर-टाइट जार में भर दें और कुछ देर फ्रिज में रख दें। फिर इसे फ्रिज से निकालकर गिलास में डालें और पुदीने से गार्निश कर पी लें।

तुलसी की पत्तियों से मिलते हैं ढेरों फायदे

तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक है। तुलसी का इस्तेमाल भोजन से लेकर दवाओं तक में किया जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स मौजूद होते हैं। तुलसी में जिंक, आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी, ए, ई, के आदि पाए जाते हैं।



यह एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक्स गुणों से भरपूर होता है। शारीरिक बीमारियों के साथ बाल और स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में तुलसी काफी सहायक है।

सर्दी-खांसी

तुलसी की पत्तियों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी वायरल गुण मौजूद होते हैं। जो किसी भी तरह के इन्फेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं। अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है, तो

आप तुलसी की चाय पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए पानी में 8-10 तुलसी की पत्तियां डालें, अब इसे उबाल लें। फिर इसे छानकर गुनगुना कर लें। आप नियमित रूप से इसका सेवन कर सकते हैं। यह खांसी में कारगर साबित हो सकता है।

मुंह की बदबू

अगर मुंह से बदबू आती है, इससे राहत पाने के लिए आप तुलसी की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं। यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने



में मदद करता है। इसके लिए आप रोजाना तुलसी की 4-5 पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं।

त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए

अगर आप स्किन की समस्याओं से परेशान हैं, तो तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मुंहासे, खुजली जैसी समस्या से बचाने में मदद करती हैं। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों का पेस्ट तैयार कर लें, अब इसे मुल्लानी मिट्टी में मिलाएं। इस मिश्रण को आप चेहरे पर लगा सकते हैं। हफ्ते में इस प्रक्रिया को दो बार कर सकते हैं।

मेमोरी बूस्टर

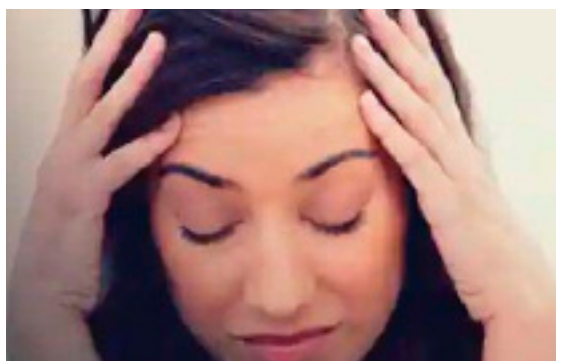
तुलसी में एंटी डिप्रेसेंट्स गुण

मौजूद होते हैं, जो ब्रेन के लिए लाभदायक है। इसके नियमित सेवन से याददाश्त मजबूत हो सकती है। मेमोरी बूस्ट करने के लिए आप रोजाना खाली पेट तुलसी की 5-6 पत्तियां चबाकर खा सकते हैं या इसकी चाय भी पी सकते हैं।

आंखों के लिए

एक रिपोर्ट के अनुसार तुलसी की पत्तियों में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। मार्केट में कई आयुर्वेदिक आई ड्रप्स उपलब्ध हैं, जिनमें इसकी पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसका उपयोग करने से पहले डॉक्टर से ज़रूर परामर्श लें।

अल्जाइमर को नजरअंदाज करना पड़ सकता है सेहत पर भारी



क्या आप चीजें रखने के बाद अक्सर भूल जाया करते हैं या फिर आपको किसी चीज को याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, अगर इन सवालों का जवाब हां में है तो आप अल्जाइमर रोग के शिकार हो सकते हैं। अल्जाइमर रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ते न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसे डेमेशिया का सबसे सामान्य प्रकार भी माना जाता है। अल्जाइमर रोग के कारण लोगों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर क्या है अल्जाइमर रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अल्जाइमर रोग-

अल्जाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जिसमें मस्तिष्क

की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं, कई मामलों में मस्तिष्क में सिकुड़न की भी समस्या हो सकती है। आसान शब्दों में समझें तो अल्जाइमर रोग एक मानसिक विकार है, जिसके कारण मरीज की याददाश्त कमजोर हो जाती है और उसका असर दिमाग के कार्य पर पड़ता है। आमतौर पर यह मध्यम उम्र या वृद्धावस्था में दिमाग के ऊतकों को नुकसान पहुंचाने के कारण होता है। यह डेमेशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसका असर व्यक्ति की याददाश्त, सोचने की क्षमता, रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ता है।

अल्जाइमर के लक्षण-

- आपकी दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली स्मृति में कमी
- समस्या सुलझाने में कठिनाई
- भाषण या लेखन के साथ परेशानी
- समय या स्थानों के बारे में भ्रमित हो जाना
- निर्णय लेने में कमी
- व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी
- मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन
- दोस्तों, परिवार और समाज से दूरी
- धूपपान से बचें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें।

